भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2110

01 अगस्त, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन ग्रामीण भारत

†2110.श्री प्रद्युत बोरदोलोईः

श्री इमरान मसूदः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) प्रणाली में एकीकृत जिलों और स्वास्थ्य सुविधाओं की संख्या सहित इसके कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) देश के ग्रामीण क्षेत्रों में, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच अवसंरचना की कमी, इंटरनेट संपर्क और तकनीकी साक्षरता के संबंध में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चित करने में चुनौतियाँ क्या हैं;

(ग) क्या सरकार ने ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा प्रदायगी में सुधार के संबंध में एबीडीएम के प्रभाव को मापने के लिए कोई आकलन किया है, और यदि हाँ, तो ऐसे आकलन के प्रमुख निष्कर्ष क्या रहे; और

(घ) कम सम्पर्कता और स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढाँचे वाले क्षेत्रों में डिजिटल स्वास्थ्य कवरेज का विस्तार करने के लिए सरकार द्वारा ई-संजीवनी जैसे टेलीमेडिसिन प्लेटफार्मों की भूमिका सहित क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) को एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है, जो स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर स्वास्थ्य डेटा की अंतर-संचालनीयता को सक्षम बनाता है, ताकि हर नागरिक का दीर्घकालिक इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य अभिलेख तैयार किया जा सके। दिनांक 28 जुलाई, 2025 तक, कुल 79,71,02,258 (~79.71 करोड़) आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाते (एबीएचए) बनाए जा चुके हैं, 4,17,047 (~4.17 लाख) स्वास्थ्य सुविधाओं को स्वास्थ्य सुविधा रजिस्ट्री (एचएफआर) पर पंजीकृत किया गया है, 6,76,685 (~6.76 लाख) स्वास्थ्य देख-रेख से जुड़े पेशेवरों को स्वास्थ्य पेशेवर रजिस्ट्री (एचपीआर) पर पंजीकृत किया गया है और 65,09,37,500 (~65.09 करोड़) स्वास्थ्य अभिलेख एबीएचए के साथ जोड़े गए हैं। ग्रामीण/शहरी क्षेत्र का विवरण स्वास्थ्य सुविधा रजिस्ट्री(एचएफआर) में पंजीकरण के दौरान एकत्र नहीं किया जाता है। हालांकि, कुल **3,20,973** स्वास्थ्य सुविधाओं में एबीडीएम-सक्षम सॉफ़्टवेयर उपयोग में है, और **771 जिलों** में एबीडीएम-सक्षम सुविधाएं मौजूद हैं।

(ख) से (घ): एबीडीएम में ऐसी जगहों के लिए सहायक मोड का प्रावधान है जहां इंटरनेट कनेक्टिविटी कमजोर हो सकती है। उदाहरण हेतु, इंटरनेट कनेक्टिविटी/हार्डवेयर की अनुपलब्धता जैसी कमियों को पूरा करने के लिए आभा के सृजन के लिए ऑफलाइन मोड को सक्षम बनाया गया है। एबीडीएम को लागू करने वाला निकाय, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण, एबीडीएम को लागू करने के लिए राज्यों के साथ पूर्ण समन्वय से कार्य कर रही है। एबीडीएम से संबंधित विभिन्न केपीआई [प्रमुख निष्पादन संकेतक] की प्रगति को देखने के लिए एक सार्वजनिक डैशबोर्ड [dashboard.abdm.gov.in] स्थापित किया गया है। यह डैशबोर्ड राज्य, जिला और अस्पताल स्तर तक ड्रिल-डाउन की सुविधा देता है, जिससे एबीडीएम के कार्यान्वयन का आकलन किया जा सकता है।

सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं कि मिशन के लाभ प्रत्येक नागरिक तक पहुंचे। एबीडीएम द्वारा निर्मित डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र प्राथमिक, माध्यमिक और विशिष्ट स्वास्थ्य सेवा के बीच निरंतरता बनाए रखने में सहायक है। यह विशेष रूप से दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता में टेलीमेडिसीन आदि जैसे तकनीकी हस्तक्षेप के माध्यम से सहायता करता है।

ई संजीवनी एक राष्ट्रीय टेलीमेडिसिन सेवा है जो 36 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों(यूटी) में संचालित है, जिसका उद्देश्य सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) प्राप्त करना है। इसे दो स्वरूपों में लागू किया गया है: (i) ई-संजीवनी एबी-एचडब्ल्यूसी/आयुष्मान आरोग्य मंदिर – एक प्रदाता-से-दूसरे प्रदाता के बीच टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म (ii) ई संजीवनी ओपीडी – एक रोगी-से-प्रदाता के बीच टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म है और यह हब तथा स्पोक मॉडल पर संचालित किया जाता है।

ई-संजीवनी द्वारा दिनांक 28 जुलाई, 2025 तक 39 करोड़ से अधिक रोगियों को सेवा प्रदान की गई है। इस सेवा को 1,34,029 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (पूर्व के स्वास्थ्य और आरोग्य केंद्रों) के माध्यम से संचालित किया गया है, जो हब के रूप में कार्य कर रहे हैं। इसमें 17,568 हब और 719 से अधिक ऑनलाइन ओपीडी द्वारा सेवा प्रदान की जाती है तथा इसे 2,24,528 से अधिक डॉक्टरों, चिकित्सा विशेषज्ञों, परम-विशेषज्ञों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की टेलीमेडिसिन टीम द्वारा संचालित किया जाता है।

इसके अतिरिक्त, नेटवर्क कनेक्टिविटी की समस्याओं से निपटने के लिए राज्य सरकारें दूरसंचार प्रदाताओं के साथ मिलकर काम कर रही हैं ताकि आयुष्मान आरोग्य मन्दिर उप-स्वास्थ्य केंद्र स्तर तक ब्रॉडबैंड कवरेज बढ़ाई जा सके।

******